NH Notes - 06

चौधरी छोटूराम बनाम लाला मुहम्मद अली जिन्ना!

जब चौधरी छोटूराम ने मुहम्मद अली जिन्नाह के पंजाब के टुकड़ों के जरिये भारत के दो टुकड़ों के इरादे को नाकामयाब करते हुए, जिन्नाह को पंजाब से भागने पर मजबूर कर दिया था| इसी पर हिंदुस्तान टाइम्स ने अपने 28 अप्रैल 1944 के अंक मे एक कार्टून छापा था|

इस कार्टून में लाला जिन्ना *(जिन्ना मूलरूप से हिन्दू बनिया जाति से मुस्लिम बने थे)* ने शौकत हयात खान को अपनी पोटली में ले रखा है| यह शौकत, सर सिकंदर हयात खान *(जो सर छोटूराम के निकटतम, घनिष्ठ व् बराबर के साथी थे)* के पुत्र थे|

कार्टून के पीछे का पूरा वाक्या: शौकत हयात उनके पिता सर सिकंदर हयात खान की मृत्यु के उपरांत, सर छोटूराम द्वारा सर मलिक खिज़र हयात खान तिवाना को पंजाब का प्रीमियर बनाने पर यूनियनिस्ट पार्टी से बगावत कर गए थे; जो कि यूनियनिस्ट आइडियोलॉजी को सेटबैक था| लेकिन फिर भी पंजाब के मुस्लिमों ने सर छोटूराम पर ही विश्वास किया| इस विश्वास की ताकत से सर छोटूराम ने लाला जिन्ना को शौकत के साथ ही पंजाब में उनकी विचारधारा समेत खत्म कर दिया था|

पंजाब से जब लाला जिन्ना को मुंह की खानी पड़ी तो वह लाला महात्मा गांधी जी से बॉम्बे *(आज मुंबई)* में मिले, जिससे राजनैतिक तौर से खत्म जिन्ना को दोबारा से पहचान मिली| सर छोटूराम ने, लाला गांधी जी को पत्र भी लिखा था; कि वह जिन्ना से ना मिलें; लेकिन गांधी जी नहीं माने, और लाला जिन्ना से मिले| बताया जाता है कि सर छोटूराम के गांधी जी को लिखे इस खत का दस्तावेज रिकॉर्ड है|

इल्जाम है कि इसके बाद व्यापारिक लोगों ने सर छोटूराम को धोखे से खाने के जरिये जहर दिलवा दिया, जिससे 9 जनवरी 1945 में सर छोटूराम की मृत्यु हो गई| उनकी मृत्यु के बाद लाला जिन्ना दोबारा से पंजाब में आ गए और शौकत से मिलकर उन्होंने पंजाब को विभाजित करवा, पाकिस्तान बनवा दिया|

अगर लाला गांधी जी, लाला जिन्ना और पंडित नेहरू पंजाब का विभाजन करके पाकिस्तान ना बनाते तो आज यूनाइटेड पंजाब ऐसा राज्य होता जो पूरे एशिया पर अपने विकास का एकछत्र परचम लहरा रहा होता|

Write-up: Phool Malik

Content Courtesy: Adv. Manoj Duhan

Publisher: Nidana Heights

Date: 16/11/2014